जरा सुन ले ओ प्रीतम,
मेरे दिल की यही आवाज है
तेरे चरणो से लिपटी रहूं,
मेरी आतमा की आवाज है
1--तेरे चरणो पर हो मेरी नजर
मुझे सुबहो शाम की क्या खबर
मेरी सुबह तेरी जूस्तजू
मेरी शाम तेरा ख्याल है

2--होई जब से मुझ पर तेरी नजर
मैं हूं अपने आप से बेखबर
तेरे इश्क में रंहू मैं मग्न
मेरे श्यामा तेरा दीदार हो

3--मेरे दिल में तू समा भी जा
क्यों रहे नजर का भी फासला
अब तेरे बगैर मेरे पिया
मेरी जिदंगी भी मुहाल है

Nijanand App